A Two-day workshop on 'Media Students Capacity Building on Low Carbon Sustainable Development' organised @CUH

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 31-01-2024**

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सामूहिक संकल्प आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

- पर्यावरण के विषय लेखन के लिए नई पीढ़ी का गंभीर होना जरूरी : अन्नू आनंद
- सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझाता है जिसके परिणामस्वरूप वहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फॉर मीडिया स्टडी एवं आस्ट्रेलिया उच्चायोग को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए हमें बदलाव की आवश्यकता है, और यह कार्यशाला इस बदलाव में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक साझा संकल्प लेते हैं कि हम समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सक्रिय रूप से योगदान करेंगे व एक हरित और स्वास्थ्यपूर्ण भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगें। उन्होंने कहा की हमें सौर और पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के महत्व समझना होगा वहीं हाइड्रोजन ईंधन जैसी नई ईंधन प्रौद्योगिकी के बारे में हमें जागरूक होना पड़ेगा जो कि भावी पीढ़ी के लिए सतत विकास के लक्ष्य में योगदान देता है। कार्यशाला में सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद अपने उद्बोधन में बताया कि इस प्रोजेक्ट का उदेश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। इसी उदेश्य के साथ सेंटर फार मीडिया स्टडीज ने हकेवि के संयुक्त तत्वाधान में इस दो दिवसीय कार्यशाला को आयोजित करने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि देश भर में इस अभियान की शुरूआत सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से की है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हो रही इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को निम्न कार्बन उत्सर्जन के लिए समाज व देश को कैसे जागरूक किया जाए इस बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है।कार्यशाला के संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि हकेवि में यह कार्यशाला आयोजित करने की जिम्मेवारी मिली है यह विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए गर्व

की बात है। उन्होंने बताया कि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज एवं भारत में आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से हो रही इस कार्यशाला में मौसम विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन व पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विशेषज्ञ पर्यावरण जैसे विषयों पर लेखन एवं रिपोर्टिंग के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षत करेंगे। उन्होंने कहा कि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशिका अन्नू आनंद, ग्रीनटैक नोलेज सोल्युशन की निदेशक वरनिका प्रकाश, मौसम विज्ञान संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर कविता रखेजा, संयोजक समृद्धि एवं वश विशिष्ट विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे। कार्यशाला में विद्यार्थियों को पर्यावरण जैसे संवेदनशील विषयों पर लेखन की बारीकियों को सीखाया जाएगा। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्ष मोना शर्मा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह कार्यशाला पत्रकारिता एवं प्यांवरण अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण होने वाली है। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. वीरपाल यादव, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश, डॉ. पंकज, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज, आलेख नायक सहित विभन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे। मंच का संचालन डॉ. भारती बत्रा ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 31-01-2024**

सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से हकेंवि में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सामूहिक संकल्प आवश्यक

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से मंगलवार को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हकेवि महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझाता है जिसके परिणामस्वरूप यहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें।

कार्यशाला में सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। कार्यशाला के संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार ने कहा कि हकेवि में यह कार्यशाला आयोजित करने की जिम्मेदारी मिली है यह विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए गर्व की

बात है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशिका अन्नू आनंद, ग्रीनटैक नोलेज सोल्युशन की निदेशक वरनिका प्रकाश, मौसम विज्ञान संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर कविता रखेजा, संयोजक समृद्धि एवं यश वशिष्ट विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. वीरपाल यादव, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश, डॉ. पंकज, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज, आलेख नायक सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे। मंच का संचालन डॉ. भारती बत्रा ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Chetna **Date: 31-01-2024**

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सामूहिक संकल्प आवश्यक: प्रो.टंकेश्वर

पर्यावरण के विषय लेखन के लिए नई पीढ़ी का गंभीर होना जरूरी: अन्नू

महेन्द्रगढ़। चेतना ब्यूरो।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझाता है जिसके परिणामस्वरूप यहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फॉर मीडिया स्टडी एवं आस्ट्रेलिया उच्चायोग को भी बधाई दी। उन्होनें कहा कि निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए हमें बदलाव की आवश्यकता है, और यह कार्यशाला इस बदलाव में मददगार होगी।

उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक साझा संकल्प लेते हैं कि हम समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सक्रिय रूप से योगदान करेंगे व एक हरित और स्वास्थ्यपूर्ण भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगें। उन्होंने कहा की हमें सौर और पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के महत्व समझना होगा वहीं हाइड्रोजन ईंधन जैसी नई ईंधन प्रौद्योगिकी के बारे में हमें जागरूक होना पड़ेगा जो कि भावी पीढ़ी के लिए सतत विकास के लक्ष्य में योगदान देता है।

कार्यशाला में सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद अपने उद्बोधन में बताया कि इस प्रोजेक्ट का उदेश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 31-01-2024**

'कार्बन उत्सर्जन कम करना हम सबकी जिम्मेदारी'

पर्यावरण के विषय लेखन के लिए नई पीढ़ी का गंभीर होना जरूरी, विद्यार्थियों को किया जाएगा जागरूक

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझाता है जिसके परिणामस्वरूप यहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझें और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फार मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो .टंकेश्वर कुमार • जागरण

कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फार मीडिया स्टडी एवं आस्ट्रेलिया उच्चायोग को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए हमें बदलाव की आवश्यकता है और यह कार्यशाला इस बदलाव में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक साझा संकल्प लेते हैं कि हम समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सक्रिय रूप से योगदान करेंगे व एक हरित और स्वास्थ्य पूर्ण भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा की हमें सौर और पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के महत्व को समझना होगा वहीं हाइड्रोजन ईंधन जैसी नई ईंधन प्रौद्योगिकी के बारे में हमें जागरूक होना पड़ेगा जो कि भावी पीढ़ी के लिए सतत विकास के लक्ष्य में योगदान देता है। कार्यशाला में सेंटर फार मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद ने अपने उद्बोधन में बताया कि इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। इसी उद्देश्य के साथ सेंटर फार मीडिया स्टडीज ने हकेंवि के संयुक्त तत्वावधान में इस दो दिवसीय कार्यशाला को आयोजित करने का निर्णय लिया। देश भर में इस अभियान की शुरुआत सेंटर फार मीडिया स्टडीज ने आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से की है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हो रही इस कार्यशाला में विद्यार्थियों को निम्न कार्बन उत्सर्जन के लिए समाज व देश को कैसे जागरूक किया जाए इस बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। कार्यशाला के संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागध्यक्ष डा.अशोक कुमार ने कहा कि हकेंवि में यह कार्यशाला आयोजित करने की जिम्मेवारी मिली है व यह विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। सेंटर फार मीडिया स्टडीज एवं भारत में आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से हो रही इस कार्यशाला में मौसम विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन व पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विशेषज्ञ पर्यावरण जैसे विषयों पर लेखन एवं रिपोर्टिंग के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे। उन्होंने कहा कि सेंटर फार मीडिया स्टडीज की निदेशिका अन्नू आनंद, ग्रीनटैक नोलेज सोल्युशन की निदेशक वरनिका प्रकाश, मौसम विज्ञान संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना, प्रोजेक्ट कोआर्डिनेटर कविता रखेजा, संयोजक समृद्धि एवं यश वशिष्ट विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे। कार्यशाला में विद्यार्थियों को पर्यावरण जैसे संवेदनशील विषयों पर लेखन की बारीकियों को सिखाया जाएगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 31-01-2024**

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सामूहिक संकल्प आवश्यकः प्रो.टंकेश्वर कुमार

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझाता है जिसके परिणामस्वरूप यहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फॉर मीडिया स्टडी एवं आस्ट्रलिया उच्चायोग को भी बधाई दी। उन्होनें कहा कि निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए हमें बदलाव की आवश्यकता है, और यह कार्यशाला इस बदलाव में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक साझा संकल्प लेते हैं कि हम समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सक्रिय रूप से योगदान करेंगे व एक हरित और स्वास्थ्यपूर्ण भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगें। उन्होंने कहा की हमें सौर और पवन ऊर्जा जैसी नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग के महत्व समझना होगा वहीं हाइड्रोजन ईंधन जैसी नई ईंधन प्रौद्योगिकी के बारे में हमें जागरूक होना पड़ेगा जो कि भावी पीढ़ी के लिए सतत विकास के लक्ष्य में योगदान देता है। कार्यशाला में सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशक अन्नू आनंद अपने उद्बोधन में बताया कि इस प्रोजेक्ट का उदेश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। कार्यशाला के संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार ने कहा कि हकेवि में यह कार्यशाला आयोजित करने की जिम्मेवारी मिली है यह विभाग एवं विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज एवं भारत में आस्ट्रेलिया उच्चायोग के सहयोग से हो रही इस कार्यशाला में मौसम विज्ञान, पर्यावरण अध्ययन व पत्रकारिता एवं जनसंचार से जुड़े विशेषज्ञ पर्यावरण जैसे विषयों पर लेखन एवं रिपोर्टिंग के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षत करेंगे। उन्होंने कहा कि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशिका अन्नू आनंद, ग्रीनटैक नोलेज सोल्युशन की निदेशक वरनिका प्रकाश, मौसम विज्ञान संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर कविता रखेजा, संयोजक समृद्वि एवं यश वशिष्ट विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे। कार्यशाला में विद्यार्थियों को पर्यावरण जैसे संवेदनशील विषयों पर लेखन की बारीकियों को सीखाया जाएगा। पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्षा मोना शर्मा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह कार्यशाला पत्रकारिता एवं प्यावरण अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण होने वाली है। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. वीरपाल यादव, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश, डॉ. पंकज, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज, आलेख नायक सहित विभन्न विभागों के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद थे। मंच का संचालन डॉ. भारती बत्रा ने किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 31-01-2024**

कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए सामूहिक संकल्प आवश्यक : प्रो.टंकेश्वर

हकेंवि महेंद्रगढ़ में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार। -निस

नारनौल (निस) : हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझें और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फॉर मीडिया स्टडी एवं आस्ट्रलिया उच्चायोग को भी बधाई दी।

दैनिक ट्रिब्यून Wed, 31 January 2024 https://epaper.dainiktribune

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hariboomi **Date: 31-01-2024**

सामूहिक प्रयासों से कम करें कार्बन उत्सर्जनः वीसी

- वैश्विक सत्र पर प्रयास करने की बताई जरूरत।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

महेंद्रगढ़। हकेंवि में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए कुलपति। फोटो : हरिभूमि

कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फॉर मीडिया स्टडी एवं ऑस्ट्रेलिया उच्चायोग को भी बधाई दी। निदेशक अन्नू आनंद ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का उदेश्य युवा पीढ़ी को कार्बन उत्सर्जन से पैदा होने वाले खतरों के बारे में अवगत करवाना है। कार्यशाला संयोजक एवं पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि हकेंवि में यह कार्यशाला आयोजित करने की जिम्मेवारी मिली है।

सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की निदेशिका अन्नू आनंद, ग्रीनटैक नोलेज सोल्युशन की निदेशक वर्णिका प्रकाश, मौसम विज्ञान संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना, प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर कविता रखेजा, संयोजक समृद्वि एवं यश वशिष्ट विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करेंगे। इस मौके पर पर्यावरण अध्ययन विभाग की अध्यक्षा मोना शर्मा, शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो.संजीव कुमार, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. वीरपाल यादव, डॉ. कामराज सिंधु, डॉ. कमलेश, डॉ. पंकज, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. नीरज, आलेख नायक, डॉ. भारती बत्रा उपस्थित रही।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 31-01-2024**

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

महेंद्रगढ़, 30 जनवरी (ब्यूरो): हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि दुनिया में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए वैश्विक स्तर पर सामूहिक संकल्प लेने की आवश्यकता है। भारत इस विषय की गंभीरता को समझाता है जिसके परिणामस्वरूप यहां निरंतर कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में प्रयास जारी है।

अब समय है कि हम धरती के समक्ष उपलब्ध इस चुनौती को समझे और हाइड्रोजन ईंधन जैसे नए विकल्पों और नई प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ावा दें। यह विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार से विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एंव जनसंचार तथा पर्यावरण अध्ययन विभाग के संयुक्त प्रयासों से सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के सहयोग से शुरू दो दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने विद्यार्थियों को दुनिया में निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजक विभागों व सेंटर फॉर मीडिया स्टडी एवं आस्ट्रलिया उच्चायोग को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि निम्न कार्बन उत्सर्जन और सतत विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए हमें बदलाव की आवश्यकता है, और यह कार्यशाला इस बदलाव में मददगार होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर एक साझा संकल्प लेते हैं कि हम समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सक्रिय रूप से योगदान करेंगे व एक हरित और स्वास्थ्य पूर्ण भविष्य की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

paper.navodayatimes.in
Wed, 31 January 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74463

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 01-02-2024**

निम्न कार्बन उत्सर्जन पर कार्यशाला का समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली व ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास विषय पर कार्यशाला का समापन हो गया।

प्रो. सुनील कुमार।
स्रोत : विवि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन शमन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। इसमें प्रतिभागियों ने इंटरेक्टिव सत्र के दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध बताया।

उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को प्रभावी जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों में बहुमूल्य विचार के बारे में जानकारी दी। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, अन्नू आनंद, वर्निका प्रकाश, कविता रखेजा और निशांत सक्सेना का सम्मान किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया। समापन सत्र में डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव आदि उपस्थित रहे। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: City24News **Date: 01-02-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में निम्न कार्बन विकास पर दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का हुआ समापन

सिटी 24 न्यूज/अशोक कौशिक

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली के सहयोग से और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से 'निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन शमन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ श्री निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायुमंडलीय तापमान में प्रत्येक डिग्री वृद्धि के लिए, नमी वहन करने की क्षमता सात प्रतिशत बढ़ जाती है। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को प्रभावी जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों में बहुमूल्य विचार प्रदान की। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, सुश्री अन्नू आनंद, सुश्री वर्निका प्रकाश, सुश्री कविता रखेजा और श्री निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन समस्याओं के बारे में भी बताया जो पत्रकारों को जलवायु परिवर्तन सहित विज्ञान विषय को व्यापक दर्शकों तक संप्रेषित करते समय सामना करना पड़ता है। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया।

इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन और उपयोग और जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस.नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

सप्ताहभर पूर्व गायब हुए व्यक्ति का शव गांव के ही तालाब से बरामद

सिटी 24 न्यूज/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना सबडिवीजन के गांव झाड़ली में पिछले सप्ताहभर पूर्व गायब हुए वयोवृद्ध व्यक्ति बाबूलाल,65 वर्ष का शव गांव के ही तालाब में तैरता हुआ मिला है जिसे लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त है इधर मृतक के पुत्र पवन कुमार ने बताया कि उसका पिता बाबूलाल पिछले सप्ताह रात्रि के समय अचानक घर से गायब हो गया था जिसकी काफी खोजबीन की गई थी और नहीं मिलने पर कनीना थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिस पर पुलिस द्वारा गुमशुदा का केस दर्ज कर छानबीन की जा रही थी इस दौरान उनका सब गांव के तालाब से बरामद हुआ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर इसका पंचनामा करवा परिजनों को सौंप दिया बहरहाल पुलिस ने इत्तेफाकिया करवाई की है।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 01-02-2024**

प्रतिभागियों ने बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन और उपयोग के बारे में जाना

महेंद्रगढ़ | हकेंवि के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से 'निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरेक्टिव सत्र दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर दिया कि वायुमंडलीय तापमान में प्रत्येक डिग्री वृद्धि के लिए, नमी वहन करने की क्षमता 7 प्रतिशत बढ़ जाती है। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, अन्नू आनंद, वर्निका प्रकाश, कविता रखेजा और निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया। इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन, उपयोग और जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को

जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस. नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 01-02-2024**

कार्यशाला में प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

प्रो. सुनील कुमार • जागरण

- हकेंवि में निम्न कार्बन विकास पर दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का समापन किया गया
- कहा, विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे

संस, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फार मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली के सहयोग से और आस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से निम्न कार्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन समन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरेक्टिव सत्र के दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायुमंडलीय तापमान में प्रत्येक डिग्री वृद्धि के लिए, नमी वहन करने की क्षमता सात प्रतिशत बढ़ जाती है। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को प्रभावी जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों में बहुमूल्य विचार प्रदान किए। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, अन्नू आनंद, वर्निका प्रकाश, कविता रखेजा और निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन समस्याओं के बारे में भी बताया जो पत्रकारों को जलवायु परिवर्तन सहित विज्ञान विषय को व्यापक दर्शकों तक संप्रेषित करते समय सामना करना पड़ता है। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया।

इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन और उपयोग और जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में डा. मोना शर्मा, डा. सुरेंद्र, डा. भारती बत्रा, आलेख एस नायक, डा. विक्रम व डा. अनूप यादव सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 01-02-2024**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में निम्न कार्बन विकास पर दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली के सहयोग से और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से 'निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन शमन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया।

इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ श्री निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायुमंडलीय तापमान में प्रत्येक डिग्री वृद्धि के लिए, नमी वहन करने की क्षमता सात प्रतिशत बढ़ जाती है। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को प्रभावी जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों में बहुमूल्य विचार प्रदान की। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, सुश्री अन्नू आनंद, सुश्री वर्निका प्रकाश, सुश्री कविता रखेजा और श्री निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन समस्याओं के बारे में भी बताया जो पत्रकारों को जलवायु परिवर्तन सहित विज्ञान विषय को व्यापक दर्शकों तक संप्रेषित करते समय सामना करना पड़ता है। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया। इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन और उपयोग और जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस.नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 01-02-2024**

'निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास' पर कार्यशाला संपन्न

नारनौल, 31 जनवरी(निस)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नयी दिल्ली के सहयोग से और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से 'निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को प्रभावी जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों में बहुमूल्य विचार प्रदान की। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस.नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून Th ht

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Hariboomi **Date: 01-02-2024**

हकेंवि में पत्रकारिता एवं पर्यावरण विभाग द्वारा किया गया आयोजन

दो दिवसीय मीडिया कार्यशाला का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज नई दिल्ली तथा ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन शमन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे। कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरूआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि व वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. सुनील कुमार। फोटो : हरिभूमि

बायोगैस संयंत्र का किया दौरा

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, अन्नू आनंद, वर्निका प्रकाश, कविता रखेजा और निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन समस्याओं के बारे में भी बताया जो पत्रकारों को जलवायु परिवर्तन सहित विज्ञान विषय को व्यापक दर्शकों तक संप्रेषित करते समय सामना करना पड़ता है। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया। इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन, उपयोग व जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 01-02-2024**

केंद्रीय विवि.में निम्न कार्बन विकास पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन

महेंद्रगढ़, 31 जनवरी (परमजीत/मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग एवं पर्यावरण अध्ययन विभाग ने सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज, नई दिल्ली के सहयोग से और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के सहयोग से 'निम्न कॉर्बन उत्सर्जन एवं सतत विकास' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का बुधवार को समापन हो गया।

हरियाणा केंद्रीय विश्व विद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने कार्यशाला के समापन सत्र की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विद्यार्थी जलवायु परिवर्तन शमन पर काम करके मानव जाति के पक्ष में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कार्यशाला के दूसरे दिन की शुरुआत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से हुई। जिसमें सभी प्रतिभागियों ने इंटरैक्टिव सत्र दौरान कार्यशाला में प्राप्त ज्ञान का परीक्षण किया। इसके बाद कार्यशाला में जलवायु परिवर्तन संचार विशेषज्ञ श्री निशांत सक्सेना ने तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वायुमंडलीय तापमान में प्रत्येक डिग्री वृद्धि के लिए, नमी वहन करने की क्षमता सात प्रतिशत बढ़ जाती है।

दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते प्रो. सुनील कुमार

■ तापमान वृद्धि और वातावरण की नमी-वहन क्षमता के बीच संबंध पर प्रकाश डाला

उन्होंने पत्रकारिता के विद्यार्थियों को प्रभावी जलवायु परिवर्तन रिपोर्टिंग के लिए आवश्यक उपकरणों और तकनीकों में बहुमूल्य विचार प्रदान की। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ने सत्र के समापन में उनके योगदान के लिए अतिथियों, सुश्री अन्नू आनंद, सुश्री वर्निका प्रकाश, सुश्री कविता रखेजा और श्री निशांत सक्सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन समस्याओं के बारे में भी बताया जो पत्रकारों को जलवायु परिवर्तन सहित विज्ञान विषय को व्यापक दर्शकों तक संप्रेषित करते समय सामना करना पड़ता है। इस कार्यशाला में प्रतिभागियों ने कुरहावटा गांव में बायोमास गैस संयंत्र का दौरा भी किया। इस व्यावहारिक अनुभव ने प्रतिभागियों को बायोमास गैस के प्रत्यक्ष उत्पादन और उपयोग और जलवायु परिवर्तन को कम करने में इसके संभावित लाभों को जानने समझने का अवसर मिला। समापन सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समापन सत्र में डॉ. मोना शर्मा, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. भारती बत्रा, आलेख एस.नायक, डॉ. विक्रम व डॉ. अनूप यादव सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

epaper.navodayatimes.in

नवोदय टाइम्स Thu, 01 February 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74472891